चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...अमर उजाला...
दिनांक ...5.2.2019... पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...2-8...

कार्यक्रम

एचएयू में इन्नोप्रिन्योरशिप : सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी संपन्न

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर की प्रस्तुति के लिए 14 को मिला पुरस्कार

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही इन्नोप्रिन्योरशिप : सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सोमवार को संपन्न हुई। समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (एग्री इंजीनियरिंग) प्रो. केके सिंह सह अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए 14 पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इस संगोष्ठी में विद्यार्थियों की अत्यधिक भागीदारी की भी प्रशंसा की। उन्होंने वैज्ञानिकों से अपील की कि वे कड़ी मेहनत करते रहें, जो निश्चित रूप से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को विश्व स्तरीय संस्थान बनाने में सफल होगी। उन्होंने संगोष्ठी की आयोजक समिति को संगोष्ठी के सफल आयोजन पर बधाई दी।

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

500 से अधिक वैज्ञानिकों ने लिया भाग

इस संगोष्ठी में देश-विदेश से 500 से अधिक वैज्ञानिक, नवप्रवर्तक, एग्रीप्रिन्योर, किसान और विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के लीड व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में स्मार्ट खेती की तकनीक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवीन तकनीक, कृषि में आटोमेशन प्रौद्योगिकी, जियोमैपिंग और सेंसर डेटा, कटाई और खाद्य प्रसंस्करण में प्रोटोटाइप विकास, कृषि मशीनीकरण में नवाचार आदि कुल 10 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनके साथ दो पोस्टर सत्र भी आयोजित किए गए।

यूं चले सत्र, कुल 594 सार हुए प्राप्त

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक और संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि संगोष्ठी के पांच सत्रों में कुल 597 सार प्राप्त हुए। इसमें 32 प्रस्तुतियां दी गईं।
- प्रथम सत्र -संगोष्ठी के प्रथम सत्र में स्थाई कृषि से संबंधित पद्धति को शामिल किया गया था, जिसमें 188 सार प्राप्त हुए। इस सत्र में 5 मौखिक व्याख्यान के साथ दो लेक्चर दिए गए।
- दूसरा सत्र - दूसरे सत्र में स्मार्ट फार्मिंग तकनीक और जियोमैपिंग, सेंसर व संसाधन प्रबंधन पर चर्चा हुई। इस सत्र में 142 सार प्राप्त हुए, जबकि तीन लीड और तीन मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं।
- तीसरा सत्र - इसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अभिनव तकनीक और वेस्ट टू वेल्थ विषय शामिल थे। इस सत्र में कुल 47 सार प्राप्त हुए और 5 लीड व मौखिक प्रस्तुतियां हुईं।
- चौथा सत्र - सत्र चार में चार विभिन्न विषय को शामिल किया गया था, जिसमें 186 सार प्राप्त हुए। इस सत्र में 7 प्रस्तुतियां हुईं।
- 5वां सत्र - इसी प्रकार पांचवें सत्र में 31 सार प्राप्त हुए और 7 प्रस्तुतियां दी गईं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक ....5.2.2019.... पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....5-7....

स्मार्ट खेती तकनीक, ऑटोमेशन, जियोमैपिंग और सेंसर डेटा से छात्रों को समझाया कृषि का स्वरूप

एचएयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न, पोस्टर प्रतियोगिता में मिले 14 पुरस्कार

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इन्नोप्रिन्योरशिपः सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। समापन समारोह कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (एग्री इंजीनियरिंग) प्रो. केके सिंह सह-अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। इसमें देश-विदेश से 700 वैज्ञानिक, नवप्रवर्तक, एग्रीप्रिन्योर, किसान और विद्यार्थी शामिल हुए। इसमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और कनाडा के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के लीड व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में स्मार्ट खेती की तकनीक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकों, कृषि में ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी, जियोमैपिंग और सेंसर डेटा, कटाई और खाद्य प्रसंस्करण में प्रोटोटाइप विकास, कृषि मशीनीकरण में नवाचार आदि कुल 10 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनके साथ दो पोस्टर सत्र भी आयोजित किए गए।

एचएयू में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित करते हुए

कृषि प्रबंधन, स्मार्ट कृषि जैसे विषयों पर हुए लेक्चर

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि संगोष्ठी के प्रथम सत्र में स्थायी कृषि से संबंधित पद्धति को शामिल किया था, जिसमें 188 सार प्राप्त हुए। इस सत्र में 5 मौखिक व्याख्यान के साथ दो लेक्चर दिए गए। दूसरे सत्र में स्मार्ट फार्मिंग तकनीक और जियोमैपिंग, सेंसर व संसाधन प्रबंधन पर चर्चा हुई। इस सत्र में 142 सार प्राप्त हुए, जबकि तीन लीड और तीन मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं। तीसरे सत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अभिनव तकनीक और वेस्ट टू वेल्थ विषय शामिल थे। इस सत्र में कुल 47 सार प्राप्त हुए और 5 लीड व मौखिक प्रस्तुतियां हुईं। सत्र चार में चार विभिन्न विषय को शामिल किया गया था जिसमें 186 सार प्राप्त हुए। इस सत्र में 7 प्रस्तुतियां हुईं। इसी प्रकार पांचवें सत्र में 31 सार प्राप्त हुए और 7 प्रस्तुतियां दी गईं। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उपरोक्त विषयों के तहत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए 14 पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इस संगोष्ठी में विद्यार्थियों की अत्यधिक भागीदारी की भी प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. ....५.... कॉलम ....५....

हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

हिसार, 4 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह-हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इन्नोप्रिन्योरशिप: सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। समापन समारोह कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (एग्री इंजिनियरिंग) प्रो. के.के. सिंह सह-अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में देश-विदेश से 500 से अधिक वैज्ञानिक, नवप्रवर्तक, एग्रीप्रिन्योर, किसान और विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के लीड व्याख्यान दिए। मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह ने उपरोक्त विषयों के तहत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए 14 पुरस्कार प्रदान किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 5.2.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 8

हकृवि में सतत कृषि पर संगोष्ठी

हिसार। हकृवि में इन्नोप्रिन्योरशिप: सतत कृषि की आवश्यकता विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। समापन समारोह कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक प्रो. केके सिंह सह-अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। संगोष्ठी में देश-विदेश से 500 से अधिक वैज्ञानिक, नवप्रवर्तक, एग्रीप्रिन्योर, किसान और विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें भारत सहित संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और कनाडा के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के लीड व्याख्यान दिए। संगोष्ठी में स्मार्ट खेती की तकनीक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकें, कृषि में आटोमेशन प्रौद्योगिकी, जियोमैपिंग और सेंसर डेटा, कटाई और खाद्य प्रसंस्करण में प्रोटोटाइप विकास, कृषि मशीनीकरण में नवाचार आदि कुल 10 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनके साथ दो पोस्टर सत्र भी आयोजित किए गए।

अनुसंधान निदेशक और संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि संगोष्ठी के प्रथम सत्र में स्थायी कृषि से संबंधित पद्धति को शामिल किया गया था, जिसमें 188 सार प्राप्त हुए। इस सत्र में 5 मौखिक व्याख्यान के साथ दो लेक्चर दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण....
दिनांक ....5.2.2019.... पृष्ठ सं. ....2, 17.... कॉलम ....5, 6....

एचएयू में स्वर्ण जयंती खेल प्रतियोगिता 5 फरवरी से

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 फरवरी को विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। एचएयू के छात्र कल्याण निदेशक एवं खेल आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. डीएस दहिया ने बताया कि इस अवसर पर एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे और प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में एचएयू के बेसिक साइंस कॉलेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज, होम साइंस कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज, हिसार, कौल व बावल के अतिरिक्त लुवास के लगभग 450 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे।

एचएयू में आज से शुरू होगी स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 और 6 फरवरी को स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक एवं खेल आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. डीएस दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज, होम साइंस कालेज, एग्रीकल्चर कालेज हिसार, कौल व बावल के अतिरिक्त लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के लगभग 450 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर के खेल प्रांगण में सुबह साढ़े 9 बजे आरंभ होगी। खेल प्रभारी डा. सुशील लेगा के अनुसार इस प्रतियोगिता में रेस, जंपिंग, थ्रोइंग आदि की स्पर्धाएं होंगी।

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी, हरि भूमि....

दिनांक ....5.2.2019.... पृष्ठ सं. ....4, 13.... कॉलम ....7-8, 1....

हकृवि में स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता आज से

हिसार, 4 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 फरवरी को विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक एवं खेल आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. डी.एस. दहिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज, होम साइंस कालेज, एग्रीकल्चर कालेज, हिसार, कौल व बावल के अतिरिक्त लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के लगभग 450 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। खेल प्रभारी डा. सुशील लेगा के अनुसार इस प्रतियोगिता में रेस, जम्पिंग, थ्रोइंग आदि की स्पर्धाएं होंगी।

हकृवि की स्वर्ण जयंती एथलीट मीट आज से

हिसार। हकृवि में 5 व 6 फरवरी को विश्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक एवं खेल आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. डीएस दहिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि होंगे और प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 450 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे और यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर के खेल प्रांगण में आरंभ होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...दैनिक भास्कर...

दिनांक ...5.2.2019... पृष्ठ सं. ...5... कॉलम ...1-6...

भूली-बिसरी यादें • एचएयू में 1978 में स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले स्टूडेंट्स की एल्युमनाई मीट, दोस्तों में कोई सेना से रिटायर तो कोई साइंटिस्ट

सोशल मीडिया पर तलाशे 41 साल पुराने 75 दोस्त, कई विदेशों से भी पहुंचे

अंजू सिंह | हिसार

मैं साइंटिस्ट हूं। मैं बैंकर और मैं तो सेनाधिकारी से रिटायर भी हो गया। अरे तुम्हें पता है मैं दादा बन चुका हूं और मैं नाना भी। कुछ ऐसी ही बातों का सिलसिला शुरू हुआ जब एचएयू के एग्रीकल्चर कॉलेज के 1978 के बैच के स्टूडेंट्स लंबे अरसे के बाद मिले। इन्हें मिलाने में सोशल मीडिया एक जरिया बना, एक दूसरे को खोजते हुए 9 महीने में 75 दोस्तों का ग्रुप बना।

जब ग्रुप में एचएयू कैंपस से जुड़ी यादों के किस्से शुरू हुए तो जिक्र सबसे ज्यादा फ्लैचर कैंटीन का हुआ। ऐसे में दोस्तों ने विदेश से आकर सोमवार को अपनी महफिल भी यहीं सजाई। अलबता अब यहां कैंटिन तो नहीं मगर एचएयू की मदद से यहां टेंट लगाया गया। इस कार्यक्रम को नाम भी दिया चाय पर चर्चा। इसमें देश-विदेश से पहुंचे दोस्तों ने हिस्सा लिया।

सिडनी से डॉ. बलवंत, मेलबोर्न से डॉ. सोमदत्त, एडिलेड से डॉ. राय भी पहुंचे

इस कार्यक्रम में सिडनी से डॉ. बलवंत, एडिलेड से डॉ. राय, मेलबोर्न से डॉ. सोमदत्त व डॉ. धर्म पहुंचे। साथ ही राजीव कपूर हैदराबाद से, पवन रायगढ़ से। अशोक बैंगलुरु से तो केशव दत्त इन्दौर से, हरिनारायण पूनिया पूना से पहुंचे। यहां से शिक्षा ग्रहण कर चुके जार्डन से हुसम भी पहुंचे। गुरुग्राम से जगदीश, रोहतक से रणवीर, जीजेयू के पूर्व रजिस्ट्रार रणवीर जागलान, कुलवंत यादव सेना में ब्रिगेडियर व सेवानिवृत कर्नल ओमप्रकाश कुहाड़, बिहार कृषि विश्वविद्यालय से ईश्वर सोलंकी, डॉ. राम, डॉ. बृजेन्द्र, परमजीत, अनूप ,मनीराम गोदारा गांव में रह कर खेती संभाल रहे हैं। यमुनानगर से राजेश जो डिविजनल फारेस्ट ऑफिसर है भी पहुंचे।

फील्ड एक्सपर्टीज ने प्रेजेंट स्टूडेंट्स को दिए कई टिप्स

डॉ. बलवंत पोटलिया जो सिडनी यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उन्होंने स्टूडेंट्स को विदेशी यूनिवर्सिटीज और जॉब में एप्लाई करने के तरीके बताए वहीं रविंदर नांदल ने पानी बचाने के कई तरीके बताए। इसमें उन्होंने रसोई में बचे खराब पानी को पौधों में लगाने के लिए गाइड किया और सभी को शपथ भी दिलाई। साथ ही ब्रिगेडियर कुलवंत यादव ने फौज में भर्ती के लिए प्रेरित किया।

बनाई री यूनियन, अब वादा किया- हर साल करेंगे मीट

कार्यक्रम के संयोजक सुशील खरींटा ने बताया कि कुछ साथियों के साथ मिल वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से पुराने साथियों को जोड़ना शुरू किया। ग्रुप में 75 सहपाठी जुड़ चुके हैं इस बैच के लगभग 15 सहपाठी अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनसे जुड़ी यादें भी इस मीट का हिस्सा रहीं। तय किया हर साल मीट करेंगे। पार्टी में पुरानी यादों को ताजा करती तस्वीर भी खास रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक ..5.2.2019.. पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....1-5....

सुविधा • कैंपस में स्टूडेंट्स, किसानों व अन्य विजिटर्स को जानकारी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा इधर-उधर

70 लाख से एचएयू कैंपस में लगेंगी कियोस्क मशीनें, मैप से लेकर बीजों की किस्मों का स्क्रीन टच करते ही लगेगा पता

ऐसी दिखेगी किओस्क मशीन

वैभव शर्मा | हिसार

एचएयू कैंपस में पहले सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। अब कैंपस में इवेंट्स की अपडेट देने के लिए कियोस्क मशीनें लगाने की तैयारी हो रही है। इस मशीन के माध्यम से लोगों को एचएयू से जुड़ी जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

बड़े विश्वविद्यालयों में इस तरह की मशीनों का प्रयोग किया गया है। कियोस्क मशीन की खासियत यह है कि इसमें एक एलईडी स्क्रीन होती है, जिस पर टच करके आप उस मशीन में निहित जानकारी का लाभ उठा सकते हैं। इसमें कीबोर्ड, माउस आदि की आवश्यकता नहीं होती, मगर यह काम एक कंप्यूटर की तरह ही करती है। ये मशीनें एचएयू कैंपस में अलग-अलग स्थानों पर लगाई जाएंगी।

सबसे पहले गेट नंबर 4, फ्लैचर भवन सहित अन्य स्थानों पर इन्हें लगाया जा सकता है। अभी तक की जानकारी के अनुसार इस प्रोजेक्ट पर करीब 60 से 70 लाख रुपये का खर्चा आना है। बाजार में विभिन्न प्रकार की कियोस्क मशीन आती हैं, इनकी शुरुआत डेढ़ लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक रहती है।

हिंदी और अंग्रेजी भाषा में मिलेगी जानकारी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कैंपस काफी बड़ा है। यहां कई कॉलेज, डिपार्टमेंट और रास्ते की जानकारी हरके आने-जाने वालों को नहीं होती है। यहां तक की विवि में हर रोज आने वालों को भी कई बार सभी रास्ते याद नहीं होते। ऐसे में कियोस्क मशीन पर विवि का मैप, सभी रास्ते, डिपार्टमेंट की जानकारी, पौधों, अनाज़ की किस्में, बीजों आदि की सभी जानकारी इसमें फीड की जा सकती है। इसके साथ ही इस मशीन में हिंदी और अंग्रेजी दो भाषाओं में जानकारी निहित होगी। ताकि दोनों ही भाषाओं को समझने वाले लोग इसका फायदा उठा सकें।

पहले बुलेट कैमरे भी लगाए गए

एचएयू कैंपस में सुरक्षा के लिहाज से करीब 1.40 करोड़ रुपये से बुलेट कैमरे भी लगाए जा चुके हैं। इन कैमरों की खासियत है कि यह 40 मीटर तक की दूरी तक ऑब्जेक्ट को साफ तौर से देख सकते हैं। इनको लगाने का काम गुरुग्राम की कंपनी कर रही है।